

कुठारपाणि वि. (तत्.) जो हाथ में कुठार लिए हुए हो पुं. (तत्.) परशुराम का एक नाम।

कुठाराघात पुं. (तत्.) 1. कुल्हाड़ी का आघात 2. भारीसंख्या, गहरी चोट 3. पूर्णतः नष्ट करनेवाला व्यवहार।

कुठारी स्त्री. (तत्.) कुल्हाड़ी, टांगी।

कुठाली स्त्री. (तद्.कुद+स्थाली) मिट्टी की घरिया जिसमें सोना चांदी गलाते हैं।

कुठिया स्त्री. (देश.)(कु हि.ठौर) अनाज रखने का मिट्टी का गहरा बरतन।

कुठेर पुं. (तत्.) 1. तुलसी का पौधा 2. अग्नि।

कुठेरक पुं. (तत्.) श्वेत तुलसी का पौधा।

कुठेरु वि. (तत्.) चंवर या पंखे की हवा।

कुठौर पुं. (देश.) 1. कुठाँव, बुरी जगह 2. बेठिकाना, बेसमय।

कुड़की स्त्री. (फ़ा.) दे. कुकीं।

कुड़कुड़ पुं. (देश.) एक निरर्थक अनुरणात्मक शब्द, जिसे बोल कर पशु, पक्षी आदि खेत से हटाए जाते हैं।

कुड़कुड़ाना अ.क्रि. (देश.) किसी अनुचित या प्रतिकूल बात को देख या सुनकर भीतर ही भीतर क्षुब्ध होना, मन ही मन कुढ़ना।

कुड़कुड़ी स्त्री. (देश.) भूख या अजीर्ण से होनेवाली पेट की गुड़गुड़ाहट।

कुड़बुड़ाना अ.क्रि. (देश.) मन ही मन कुढ़ना, कुड़कुड़ाना जैसे- उसकी बात को दिल में मत लगाओ उसकी तो कुड़बुड़ाने की आदत है।

कुड़माई स्त्री. (देश.) विवाह के निश्चय के उपलक्ष्य में होनेवाला विवाहपूर्व लोकाचार, विवाहस्थिरता, मंगनी, सगाई जैसे- शीला की कुड़माई कल हुई है।

कुड़री स्त्री. (तद्.कुंडली) 1. गेंडुरी, बिड़ई 2. वह भूमि जो नदी के घूमने से बीच में पड़कर तीन तरफ जल से घिर जाए।

कुड़ल स्त्री. (तद्.कुंचन) शरीर में ऐंठन जो रक्त की कमी या उसके ठंडे पड़ने से होती है। यह अवस्था मिरगी आदि के कारण होती है।

कुडि स्त्री. (तद्.कुण्डिका) मिट्टी या काठ का बना हुआ जल पात्र।

कुडुक स्त्री. (देश. कुड़क) 1. अंडा न देने वाली मुर्गी 2. निरर्थक वस्तु।

कुडौल (देश.) वि. (तत्-कु.तद्.डौल) बेढंगा, भट्ठा।

कुडूमल पुं. (तद्.) 1. कली, मुकुल 2. नोक।

कुडंग वि. (तद्.) (तत्-कु.तद्.डंग) 1. बुरी चाल का 2. बेढंगा पुं. (तद्.) बुरा डंग, कुचाल।

कुढ़न स्त्री. (तद्.) 1. वह क्रोध जो मन में ही रहे, चिढ़, वह दुख जो दूसरे के अनिवार्य कष्ट को देख कर हो जैसे- तुम भाइयों के सामने तो कुछ नहीं बोली, लेकिन अब क्यों कुढ़न है 2. खीज, चिढ़।

कुढ़ना स.क्रि. (तद्.) 1. भीतर ही भीतर क्रोध करना 2. डाह करना, जलना 3. मसोसना जैसे- भाइयों के सामने तो चुप रहा, बाद में कुढ़ता रहा।

कुढ़ाना क्रि.स. (देश.) 1. क्रोध दिलाना, चिढ़ाना 2. कलपाना।

कुणक पुं. (तत्.) सद्यः उत्पन्न पशुशावक।

कुणप पुं. (तत्.) 1. मृत शरीर शव 2. इंगुदी 3. रांगा 4. बरछा 5. अशुचि गंध।

कुणाल पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार की चिड़िया 2. अशोक का एक पुत्र।

कुतका पुं. (तद्.) 1. गतका 2. मोटा डंडा, सोटा 3. भांग घोटने का डंडा, भंगघोटना मुहा. कुतका दिखलाना या देखना- किसी चीज के देने से मना करना, अंगूठा दिखाना।

कुतकी स्त्री. (तद्.) छोटी लकड़ी, छड़ी।

कुतप पुं. (तत्.) 1. दिन का आठवाँ मुहूर्त जो मध्याह्न समय में होता है 2. एक बाजा 3. बकरी के बाल का कंबल 4. सूर्य 5. अग्नि 6. दविज 7. अतिथि 8. भांजा 9. अन्न 11. कुश।